ॐ

जैनज्योतिष.

यह ग्रंथ

दिगंबर जैनाचार्य— श्री० उमास्वामिकृत तत्वार्थसूत्र, श्री०पूज्यपादकृत सर्वार्थसिद्धि टीका, श्री० भट्टाकलंककृत राजवार्तिकभाष्य, श्री० विद्यानंदिस्वामिकृत श्लोकवार्तिकभाष्य और श्री० नेमिचन्द्र सैद्धान्तिकचक्रवर्तीकृत त्रिलोकसार इन ग्रंथोंपरसे छांटकर एकत्रित करके प्रसिद्ध किया.

लेखक—शंकर पंढरीनाथ रणदिवे.

प्रकाशक—हिराचन्द नेमचन्द दोशी, शोलापुर.

पं० वंशीधर उदयराज के 'श्रीधर' प्रेस, शोलापुरमें छापा गया.

प्रथमावृत्ति.) न्योछावर आठ आना (प्रति पांचसौ.

ई. सन १९३१ जानेवारी.